Navbharat Times
19th Sep. 2024
Page No. 17

'क्लाइमेट टेक्नॉलजी में भारत के लिए लीडर बनने का मौका'

■ **पीटीआई, नई दिल्ली :** नीति आयोग के सीईओ बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम ने बुधवार को कहा कि भारत 2030 तक अपनी इकॉनमी का आकार आसानी से दोगुना कर सकता है। यहां एक कार्यक्रम में सुब्रह्मण्यम ने कहा कि क्लाइमेट चेंज भारत के लिए क्लाइमेट टेक्नॉलजी में लीडर बनने का एक अवसर है। उन्होंने कहा, 2026-2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की भारत की महत्वाकांक्षा के लिए एक व्यापक रणनीति की आवश्यकता है। वर्तमान में भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसका आकार करीब 3,700 अरब अमेरिकी डॉलर है।

उन्होंने कहा, भारत एक बड़ा प्रभावशाली खिलाड़ी होगा। पहले ही उसका काफी महत्व है और 2047 तक वैश्विक मामलों में इसका और भी अधिक महत्व होगा। सुब्रह्मण्यम ने कहा कि 2047 तक जनसंख्या की दृष्टि से भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक होगा। वह समृद्धि की ओर अग्रसर होगा और अनुमानित प्रति व्यक्ति आय करीब 18,000 से 20,000 अमेरिकी डॉलर होगी। यह वृद्धि

2030 तक दोगुना हो सकती है देश की इकॉनमी: नीति आयोग

AI Image

महत्वपूर्ण है। भारत के एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी के रूप में उभरने की उम्मीद है, जो पिछले दशक में प्राकृतिक आपदाओं और गरीबी जैसी चुनौतियों से निपटने में की गई पर्याप्त प्रगति पर आधारित है। उन्होंने कहा कि ग्रीन इकॉनमी पर ध्यान देने की भी आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि सरकार बेहतर रणनीति बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों और सेवाओं पर काम कर रही है। शहरी विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर महत्वपूर्ण है। शहरों के विकास को गति देने के लिए आर्थिक केंद्र के रूप में तैयार किया जाना चाहिए।